ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/19(JS)–ESY-E3

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Firoj Alam **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): _____ **Reg. Number:** Awake-19/F005

Center & Date: 04/08/19 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 0833129

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णत: काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A		
खंड-B Section-B		
सकल योग (Grand Total)		

_____

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

_____

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खंड A और B में प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिये, जो प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों का हो: **125 × 2 = 250**

Write TWO Essays, choosing ONE from each of the Section A and B, in about 1000–1200 words each: **125 × 2 = 250**

खंड–A / SECTION–A

1. प्रौद्योगिकी वह सशक्त साधन है जो उम्मीद और अवसर के बीच की दूरी तय करता है।
   Technology is that powerful tool which covers the distance between hope and scope.
2. अन्नदाता का उद्धार किसी दया में नहीं बल्कि नवाचार में है।
   Farmer's emancipation lies in innovation rather than mercy.
3. भारत के वे अनिवार्य सामाजिक परिवर्तन जिन्हें आप आगामी कुछ दशकों में होता देखना चाहेंगे।
   The necessary social changes that you wish to see in India in the next few decades.
4. पारंपरिक मूल्यों के साथ आधुनिक विश्व की समस्याओं का समाधान तलाशती भारतीय विदेश नीति।
   India's foreign policy: Exploring solutions to the problems of the modern world with traditional values.

खंड–B / SECTION–B

1. सर्वोच्च शिक्षा वह है जो सिर्फ हमें जानकारी नहीं देती अपितु प्रकृति के साथ हमारे सह-अस्तित्व को भी सुनिश्चित करती है।
   The best education is that which not only gives us information, but also ensures our coexistence with nature.
2. राजनीति में आदर्श अपेक्षित भी है और उपेक्षित भी।
   Ideals in politics are required as well as neglected.
3. समान के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिये और असमान के साथ असमान।
   Equals should be treated equally and unequals unequally.
4. उस समाज में स्वतंत्रता अर्थहीन है, जिसमें गलती करने की आज़ादी न हो।
   Liberty is meaningless in that society where there is no freedom to commit mistakes.

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड–A / SECTION–A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. प्रौद्योगिकी वह सशक्त साधन है जो उम्मीद और अवसर के बीच की दूरी तय करता है।
Technology is that powerful tool which covers the distance between hope and scope.

2. अन्नदाता का उद्धार किसी दया में नहीं बल्कि नवाचार में है।
Farmer's emancipation lies in innovation rather than mercy.

3. भारत के वे अनिवार्य सामाजिक परिवर्तन जिन्हें आप आगामी कुछ दशकों में होता देखना चाहेंगे।
The necessary social changes that you wish to see in India in the next few decades.

4. पारंपरिक मूल्यों के साथ आधुनिक विश्व की समस्याओं का समाधान तलाशती भारतीय विदेश नीति।
India's foreign policy: Exploring solutions to the problems of the modern world with traditional values.

भारत के वे अनिवार्य सामाजिक परिवर्तन जिन्हें आप आगामी कुछ दशकों में होता देखना चाहते हैं।

"प्रत्येक मुँह के लिए खाना,
प्रत्येक हाथ के लिए काम
प्रत्येक आत्मा में खुशी
प्रत्येक आँख में सपने।"

आगामी कुछ दशकों में मैं एक ऐसे भारत को देखना चाहूँगा जहाँ सबसे निर्धनतम व्यक्ति भी स्वयं को समाज की मुख्य धारा में स्थान दे सके। लैंगिक, जातीय तथा धार्मिक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

आधार पर भेदभाव न हो, सामाजिक विषमताएँ कम हों तथा प्रत्येक व्यक्ति संविधान के आदर्शों का पालन करते हुए सकारात्मक सामाजिक योगदान देने हेतु तत्पर हो।

वर्तमान में लैंगिक आधार पर काफी अधिक भेदभाव है। ग्लोबल जेंडर इंडेक्स में भारत का स्थान 120 देशों में से 108 वाँ है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार भारत में 32% वेतन असमानताएँ पायी जाती हैं। #Metoo अभियान ने कार्यस्थलों पर महिलाओं के शोषण को उजागर कर ही दिया है।

जन्म से लेकर मृत्यु तक महिलाओं के शोषण का चक्र चलता ही रहता है। आगामी दशकों में महिलाओं

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

के शोषण को समाप्त करना होगा। IMF ने भी कहा कि यदि भारत के श्रमिक बल में महिलाओं की बराबर भागीदारी होती है तो जीडीपी में 32% की वृद्धि हो सकती है।

सबरीमाला, तीन तलाक जैसे मुद्दों से हमें महिलाओं को सुरक्षित करके गीता फोगाट, पीवी सिंधु, हीमा दास, अरुणिमा सिन्हा इंद्रा नुई जैसी भूमिकाओं में लाना होगा ताकि आगामी दशकों के सामाजिक परिवर्तन पर हम गौरवान्वित हो सकें।

आगामी दशकों में समाज के अंदर व्यक्तियों की पहचान जाति या वर्ण के आधार पर न होकर उनके सामाजिक योगदान या कार्यों के अनुसार होनी चाहिए। सहारनपुर की जातीय हिंसा

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हो या गुजरात के ऊना की हिंसा हो; ऐसी जातीय हिंसाओं की अनुपस्थिति भविष्य के समाज के लिए अनिवार्य है ताकि संविधान प्रदत्त अनुच्छेद 14-18 (समानता के अधिकार) के अनुसार सामाजिक सौहार्द बना रहे।

आने वाले दशकों में समाज 'सर्वधर्म सद्भाव', 'सर्वधर्म समभाव' तथा 'सुलह-ए-कुल' जैसे मूल्यों का पालन करे ताकि धर्म आधारित हिंसा तथा मॉब लिंचिंग जैसे बुराइयाँ समाप्त हो सके।

सामाजिक परिवर्तनों में समावेशी विकास अनिवार्य रूप से शामिल होना चाहिए। ऑक्सफैम की रिपोर्ट के अनुसार

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

भारत के 1% लोगों के पास भारत की 58% सम्पत्ति है। गाँव व शहर में स्पष्ट विभाजन बना हुआ है। जन धन योजना, जैम (JAM), आकांक्षी जिला कार्यक्रमों के माध्यम से सभी क्षेत्रों व वर्गों के विकास का प्रयास किया जा रहा है। आने वाले दशकों में समावेशी विकास के माध्यम से सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन लाने का प्रयास किया जाए।

ग्लोबल हंगर इंडेक्स में 119 देशों में से भारत का 103 वाँ स्थान है तथा भारत को कुपोषण के हिसाब से 'अत्यंत गंभीर श्रेणी' में शामिल किया जाता है। भारत के 38% बच्चे स्टंटिंग व 41% बच्चों में वजन की कमी है। बिहार में बच्चों

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

की मृत्यु ने खराब स्थितियों को रेखांकित कर दी दिया है। आगामी दशक में भारत को स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना होगा। आर्थिक सर्वेक्षण 2018-19 में भी कहा गया है कि 'स्वस्थ भारत से ही सुंदर भारत' का निर्माण होगा। पोषण अभियान, मिड डे मील तथा आयुष्मान भारत जैसे अभियानों की सफलता व उचित क्रियान्वयन के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन अनिवार्य है। स्वास्थ्य की तरह ही वर्तमान भारत की शिक्षा की स्थिति है। बेहतर सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए बेहतर शिक्षा अनिवार्य है। प्रथम NGO की ASER रिपोर्ट के अनुसार 45% बच्चे जो 5वीं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

क्लास में हैं सही से पढ़ नहीं पाते हैं। टॉप २०० अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में भारत के २-३ संस्थान ही आते हैं। आने वाले दशकों में बेहतर सामाजिक परिवर्तन के लिए शिक्षा की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

शिक्षा के साथ-साथ गाँवों पर भी ध्यान देना होगा। कहा भी जाता है कि भारत गाँवों में ही बसता है। ग्रामों की सामाजिक व्यवस्था कृषि पर केंद्रित होती है। वर्ष २०२२ तक कृषकों की आय दोगुनी करने के साथ ही उनके कौशल विकास तथा उद्यमशीलता पर भी ध्यान देना होगा। ताकि आने वाले दशकों के सामाजिक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

परिवर्तन में कोई भी वर्ग वंचित न रह जाए।

आने वाले दशकों में राजनीति का समाज पर गहरा प्रभाव होगा। वर्तमान में राजनीति जाति, धर्म तथा लोकलुभावन जैसे मुद्दों पर केंद्रित रहती है। समाज की आवश्यकता है कि अब विकास की राजनीति की जाए तथा युवाओं व महिलाओं को राजनीति में अधिक स्थान दिया जाए। 17वीं लोकसभा में केवल 14% महिलाएँ हैं, आने वाले दशकों में समाज से अपेक्षा होगी कि वे संसद में महिलाओं की हिस्सेदारी को बढ़ाएँ।

भविष्य के भारतीय समाज की आवश्यकता होगी की वह प्रगति

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

का अधिक हितैषी बने। भारतीय संस्कृति में वनों को पूजा जाता है तथा पृथ्वी को माँ मानते है। इसलिए सामाजिक परिवर्तन में इन मूल्यों को संरक्षित किया जाए।

वर्तमान में विश्व के सर्वाधिक 15 प्रदूषित शहरों में से 14 भारत के है। चेन्नई में हुई पानी की कमी किसी से छिपी नहीं है।

अतः अब सामाजिक परिवर्तन इस प्रकार से किए जाए कि लोग रेन वाटर हार्वेस्टिंग, जैव-विविधता के संरक्षण तथा प्रकृति से अधिक लगाव महसूस करें। ताकि आने वाले दशकों में 'सर्वेभवन्तु सुखिनः' की भावना को साकार किया जा सके।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार 31% लोग शहरों में निवास करते हैं लेकिन 2050 तक 70% लोग शहरों में रह रहे होंगे, जिसमें प्रवासी श्रमिकों की भी प्रबल भूमिका होगी। वर्तमान में महाराष्ट्र, मेघालय तथा गुजरात जैसे अनेक राज्यों में प्रवासी श्रमिकों के प्रति नफरत की भावना देखी गई तथा विदर्भ, गोरखालैण्ड आदि के नाम पर क्षेत्रवाद को भी उभारा गया।

आने वाले दशकों में प्रवासी श्रमिकों के अधिकारों को संरक्षित किया जाए तथा क्षेत्रवादी प्रवृत्तियों को रोका जाए ताकि विविधता, बहुलता तथा सहिष्णुता जैसे मूल्य आने वाले समाज की पहचान बन सकें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सामाजिक परिवर्तन बिग डाटा, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, ई-गवर्नेंस तथा गुड गवर्नेंस से भी जुड़े हों ताकि नागरिक अब स्मार्ट व आधुनिक बन सकें तथा नई-नई प्रौद्योगिकियों को सीखने की जिज्ञासा उनमें स्पष्ट रूप से विद्यमान हो।

विवेकी व जिज्ञासु समाज ही भारत को विकसित राष्ट्र बना सकता है। ज्ञानी समाज ही भारत को सशक्त बना सकता है। अतः हमें आवश्यकता है कि आने वाले दशकों में सामाजिक परिवर्तन इस प्रकार से लाएं कि समाज संविधान के मूल्यों से संचालित हो तथा रूढ़िवादिता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

को त्यागकर आधुनिक मूल्यों (समानता, स्वतंत्रता, न्याय) को आत्मसात करने हेतु तत्पर हो ताकि भारत सबसे बड़े लोकतंत्र के साथ ही सबसे मजबूत लोकतंत्र भी बन सके तथा भारतीय सामाजिक व्यवस्था को देखकर कोई भी व्यक्ति खुशी में झूमकर कह उठे —

"सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा
हम बुलबुले हैं इसकी ये गुलसिता हमारा।"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड–B / SECTION–B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1. सर्वोच्च शिक्षा वह है जो सिर्फ हमें जानकारी नहीं देती अपितु प्रकृति के साथ हमारे सह-अस्तित्व को भी सुनिश्चित करती है।

   The best education is that which not only gives us information, but also ensures our coexistence with nature.

2. राजनीति में आदर्श अपेक्षित भी है और उपेक्षित भी।

   Ideals in politics are required as well as neglected.

3. समान के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिये और असमान के साथ असमान।

   Equals should be treated equally and unequals unequally.

4. उस समाज में स्वतंत्रता अर्थहीन है, जिसमें गलती करने की आज़ादी न हो।

   Liberty is meaningless in that society where there is no freedom to commit mistakes.

(1) सर्वोच्च शिक्षा वह है जो सिर्फ हमें जानकारी नहीं देती अपितु प्रकृति के साथ हमारे सह-अस्तित्व को भी सुनिश्चित करती है।

गांधी जी 'चरित्रविहीन शिक्षा को पाप के समान' मानते थे। साथ ही उनका मानना था कि – "प्रकृति हमारी जरुरतों की पूर्ती हेतु पर्याप्त संसाधन रखती है परंतु लालचों की पूर्ति के लिए नहीं।"

लेकिन वर्तमान में देखा जा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

सकता है कि किस प्रकार से पढ़े-लिखे मनुष्यों ने प्रकृति को अपनी इच्छाओं के अनुसार वश में करने के लिए अनेक साधनों को बना लिया है।

जबकि वास्तविक खुशी प्रकृति को वश में करने से नहीं बल्कि प्रकृति के साथ सहअस्तित्व में जीवन जीने से मिलेगी।

प्राचीन भारतीय शिक्षा में प्रकृति की पूजा व पृथ्वी को माँ के समान दर्जा दिया जाता है। यही कारण है कि प्राचीन मनुष्य प्रकृति के साथ अधिक संवेदनशीलता के साथ जुड़े थे।

वर्तमान में शिक्षा के अनेक रूप उपस्थित है। बहुत सी शिक्षा पद्धति में तो प्रकृति को केवल एक उपकरण

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

के रूप में देखा जाता ~~सका~~ है जो केवल मनुष्यों की पूर्ति के लिए साधन मात्र है।

ऐसी ही शिक्षा पद्धति के कारण आज सूखा, पानी की कमी, पर्यावरण प्रदूषण, बाढ़-चक्रवात आदि ने विकराल रूप ले लिया है।

शिक्षा में प्रकृति की अवेहलना के कारण ही आज मृदाओं का स्थान कंक्रीट की सड़के लेती जा रही हैं तथा वन कटकर शहरों में तब्दील होते जा रहे हैं।

शहरों में सूखती झीलों तथा भूजल की कमी के कारण चेन्नई व केपटाउन जैसे शहरों में लम्बी कतारें लग रही हैं जबकि इन कतारों में भी अनेक लोग शिक्षित बने रहते

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

हैं। ऐसी स्थिति उसी शिक्षा का परिणाम है जिसने प्रकृति को सहअस्तित्व के रूप में नहीं देखा है।

कई बार मन में प्रश्न उठता है कि प्राकृतिक संसाधनों के साथ वनवासियों को इतना लगाव क्यों होता है? राजस्थान के बिश्नोई समुदाय के व्यक्ति प्रकृति की रक्षा क्यों करते हैं?

इन सभी का उत्तर का उत्तर उनकी शिक्षा में मिल जाता है। यह शिक्षा उनके पूर्वजों द्वारा दी गई है जिसने इन समुदायों का प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व को सुनिश्चित किया है।

जानकारी के स्तर पर दी गई शिक्षा का ही परिणाम है कि आज

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

विश्व की सर्वाधित 15 शहरों में से 14 शहर भारत में हैं। मालदीव, मॉरीशस जैसे अनेक द्वीपीय देशों का अस्तित्व ही खतरे में है।

IPCC की 5 वीं रिपोर्ट में बताया गया है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण लोगों की मृत्यु की संख्या में वृद्धि हुई है।

शिक्षित व्यक्तियों के द्वारा पशुओं की अवैध तस्करी से लेकर पशुओं का शिकार तक किया जा रहा है। इसने जैव-विविधता के समक्ष गंभीर संकट पैदा कर दिया है तथा मानव पशु संघर्ष को बढ़ा दिया है।

दूसरी तरफ ऐसी भी शिक्षा

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

है जो प्रकृति के संरक्षण के लिए प्रेरित करती है। वर्तमान में शिक्षा का चयन अनेक व्यक्तियों के द्वारा प्रकृति को बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा है।

वेस्ट टू एनर्जी हो या क्लीन सीज अभियान के माध्यम से समुद्री प्लास्टिक को साफ करने का प्रोजेक्ट हो; ये सभी व्यक्तियों का प्रकृति के साथ सहअस्तित्व सुनिश्चित करने के ही प्रयास हैं।

भारतीय संविधान के नीति-निर्देशक तत्वों में प्राकृतिक संरक्षण को राज्य का कर्तव्य बताया गया है तथा अनुच्छेद 51A के मौलिक कर्तव्यों में नागरिकों

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

से भी प्राकृतिक वनस्पति व वन्यजीवों के संरक्षण के लिए कहा गया है। दरअसल संविधान हमें सिर्फ जानकारी नहीं देता बल्कि प्रकृति के साथ हमारे सहअस्तित्व को सुनिश्चित करता है।

वर्तमान में विभिन्न सामानों पर स्पष्ट रूप से लिखा रहता है कि यह उत्पाद किन प्राकृतिक वस्तुओं के प्रयोग से बना है, इसके माध्यम से लोगों को शिक्षित करके उन्हें प्रकृति के साथ जोड़ने का प्रयास है ताकि व्यक्तियों के द्वारा उन उत्पादों को वरीयता दी जाए जिनमें प्रकृति का शोषण नहीं हुआ

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

है।

दरअसल मनुष्यों की शिक्षा प्रकृति का विवेकपूर्ण उपयोग करना सिखाती है ताकि प्रकृति व मनुष्य दोनों का अस्तित्व बना रहे।

वर्तमान शिक्षा ने उपभोक्तावादी संस्कृति को बढ़ावा दिया है जिस कारण अनेक जीवाश्म ईंधन (पेट्रोल, डीजल) आने वाले दशकों में समाप्त हो सकते हैं तथा मनुष्यों के समक्ष ऊर्जा आपूर्ति का प्रश्न नए रूप में खड़ा होगा।

ऐसे में शिक्षित मनुष्य सोचने पर मजबूर होगा कि प्रकृति का विवेकी उपयोग मनुष्यों के अस्तित्व के लिए कितना आवश्यक था। हमें ध्यान

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

रखना चाहिए कि प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग आवश्यकताओं के अनुसार करें न कि लालचों की पूर्ति के लिए करें।

हालांकि अब विश्व प्रकृति के प्रति शिक्षा पद्धति को लेकर अधिक सचेत हो गया है। इसीलिए अनेक देशों में 'ग्रीन स्किल डवलपमेंट' जैसे प्रोग्राम चलाए जा रहे हैं।

भूटान जैसा देश तो अपने खुशहाली सूचकांक व लोगों के शिक्षा के स्तर को भी पर्यावरणीय संरक्षण को अनुसार मापता है।

विश्व ने पेरिस समझौते, क्योटो प्रोटोकाल, मिनिमाता कन्वेंशन आदि संधियों

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

के माध्यम से तथा CITES, TRAFFIC जैसे संगठनों के माध्यम से प्रकृति के संरक्षण का प्रयास किया है।

अब प्रकृति का विनाश करने वाली शिक्षा को उचित नहीं माना जा रहा है।

अब वैज्ञानिक जगत भी शिक्षा का उपयोग केवल प्रकृति को वस्तु को रूप में जानने के लिए नहीं बल्कि पिघलते ग्लेशियरों, बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं ने उसे सिखा दिया है कि वही शिक्षा उपयोगी है जो प्रकृति के साथ हमारे अस्तित्व को सुनिश्चित करती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

अब प्रत्येक देश को चाहिए कि वे अपनी शिक्षा पद्धतियों में प्राकृतिक संरक्षण की विधियों का समावेश करें तथा जन जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से केवल लोगों को जानकारी ही न दें बल्कि उन्हें प्रकृति के प्रति अधिक संवेदनशील बनाए ताकि प्रकृति व मानव दोनों का सहअस्तित्व सुनिश्चित हो सके।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation